(iii) Reorganisation of the route pattern to the advantage of the travelling public.

(iv) selection of a suitable aircraft.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

(e) Nanded in Maharashtra is proposed to be connected by Vayudoot in its first phase of expansion programme.

पैट्रोलियम उत्पादों का आयात

3192. **श्री दिलीप सिंह भूरिया :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1980-81 के दौरान हमारे देश में, तेल का उत्पादन न करने वाले देशों से कितने मूल्य के पैट्रोलियम उत्पादकों का आयात किया ;

(ख) उक्त वर्ष के दौरान इन देशों को किए गए भारतीय निर्यात की क्या स्थिति रही ; और

(ग) क्या तेल का उत्पादन न करने वाले देशों से पैट्रोलियम उत्पादों के आयात में काई वृद्धि होने की सम्भावना है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) से (ग). जानकारी एकत्र की जा रही है और सभापटल पर रख दी जायेगी ।

डालर का अवमूल्यन

3193. **श्री दिलीप सिंह भूरिया :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत का अन्य देशों के साथ विदेश-व्यापार डालर और पौंड में होता है, लेकिन डालर के अवमूल्यन के कारण भारत को भारी वित्तीय हानि उठानी पड़ती है तथा वर्ष 1980-81 में डालर के अवमूल्यन के कारण भारत को विदेश-व्यापार में कुल कितनी हानि हुई ; और

(ख) क्या भारत सरकार सम्बन्धित देशों की मुद्रा में विदेश-व्यापार करने के प्रश्न पर विचार कर रही है ?

वित्त मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) भारत का अन्य देशों के साथ विदेश-व्यापार 20 "अनुमत करेंसियों" में किया जाता है जिनमें अमेरिकी डालर और पौंड स्टर्लिंग भी शामिल हैं। यदि अन्य करेंसियों की तुलना में अमेरिकी डालर की विनिमय दर में किसी परिवर्तन से भारत को अपने विदेश-व्यापार में ऐसी हानि हुई हो तो उसे अलग से बताना संभव नहीं है ।

अस्थाई दरों की व्यवस्था में, करेंसियों की विनिमय दर रोजाना घटती-बढ़ती रहती है । जब बाजार अस्थिर होता है तब विनिमय दरों में व्यापक उतार-चढ़ाव होते हैं । ऐसी व्यवस्था में सभी करेंसियों के साथ स्थाई सम्बन्ध बनाए रखना व्यवहार्य नहीं होता । यथा संभव अधिक घटबढ़ से बचने के लिए ही ऐसा किया गया है कि रुपये की विनिमय दर उपयुक्त रूप से भारित करेंसियों की डाली (बास्केट) की विनिमय दर में होने वाली दैनिक घट-बढ़ के संदर्भ में निश्चित की जाती है ताकि रुपये का मूल्य उस डाली के अनुरूप निर्धारित सीमाओं के अन्दर बनाए रखा जा सके ।

(ख) जी नहीं ।

Soft Loan facilities to Big Business Houses

3194. SHRI ANANDA PATHAK: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are going to allow soft loa-

facilities to big business houses in order to help them take measures towards modernisation;

(b) if so, whether Government are also considering the prospect of retrenchment and resultant unemployment in the country; and

(c) if not, the reasons for the same?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHANA POOJARY): (a) The Soft Loan Scheme for modernisation/renovation being operated since 1976 by the all India term lending institutions *viz.* the Industrial Development Bank of India, the Industrial Finance Corporation of India and the Industrial Credit and Investment Corporation of India covers all units in the eligible five industries *viz.* cotton textiles, jute, sugar, cement and selected engineering industries irrespective of the shareholding pattern of the concern. Units belonging to big business houses are also eligible for assistance under the Soft Loan Scheme.

(b) and (c). Assistance for modernisation/renovation under the Soft Loan Scheme is not expected to result in retrenchment or unemployment in the country.

विदेशी पर्यटकों का आगरा और वाराणसी का दौरा

3195. श्री जैनुल बशर : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन विदेशी पर्यटकों की वर्षवार संख्या कितनी है जिन्होंने गत तीन वर्षों के दौरान आगरा और वाराणसी का दौरा किया ;

(ख) इन नगरों में विदेशी पर्यटकों के दौरे से उक्त अवधि के दौरान प्रति वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित हुई; और

(ग) इन नगरों को पर्यटन की दृष्टि से और आकर्षित बनाने के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान क्या कदम उठाए गए हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान) : (क) भारत की यात्रा करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आंकड़े अखिल भारतीय आधार पर संकलित किए जाते हैं न कि राज्य/स्थान-वार आधार पर। 1976–77 में किए गए विदेशी पर्यटकों के सर्वेक्षण के अनुसार, भारत की यात्रा करने वाले सभी विदेशी पर्यटकों में से 31.2 प्रतिशत ने आगरा की और 17.68 प्रतिशत ने वाराणसी की यात्रा की। उस आधार पर पिछले 3 वर्षों के दौरान आगरा और वाराणसी की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों के आंकड़े निम्न प्रकार हैं :—

आंकड़े लाखों में

	1979	1980	1981
आगरा	2.39	2.50	2.66
वाराणसी	1.35	1.41	1.51

(ख) पर्यटन से होने वाली विदेशी मुद्रा आय का अखिल-भारतीय आधार पर अनुमान लगाया जाता है। इस प्रकार वर्ष 1980 से 482 करोड़ रुपये और 1979 में 384 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा आय के मुकाबिले वर्ष 1981 के लिए वर्तमान कीमतों पर अनन्तिम रूप से 564 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा आय होने का अनुमान है।

(ग) जब कि पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय सेक्टर के अन्तर्गत विशिष्ट रूप से आगरा और वाराणसी में कोई भी